

忠義璇圖

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------

第一出 吳學究秋日離山

衆倭羅林冲秦明花榮戴宗李逵雷橫劉唐穆宏

李俊張橫張順阮小二阮小五阮小七鮮珍鮮寶

黃信孫立燕順歐鵬呂方郭盛童威童猛鄒淵鄒

潤王英一丈青馬麟鄧飛杜遷宋萬楊林白勝引

晁蓋宋江吳用上仝唱

點絳脣 慷慨英雄心皎皎施強暴恣意貪饕盜

跼推同調 晁蓋白 平生仗義寸心丹 宋江白 萍水相

逢出肺肝

吳用白

袖底青萍三尺雪

全白

交情氣味

近芝蘭

晁蓋宋江白

今乃孟秋時候暑氣漸消金風

荐爽與衆兄弟玩賞

衆白看酒來

同唱

泣顏回

秋日聚英豪齊向瓊筵歡笑金風颯颯影

巍我晴山照耀听鸞笙鳳管唱新詞歌舞皆仙調省

風光暑氣漸消喜團圓異姓同胞

衆白

大哥請酒宋

江唱

又一體

持盃想起舊根苗不由人珠泪頻拋貪生

失義有何顏嘯聚山凹

衆唱

新秋才到看駢羅仙木

祥光耀且從容佳釀幾杯又何須愁鎖眉梢

白大哥

有話何不明說

宋江唱

解三醒 非是我隱情不告待說來雨泪如潮

白當

初蒙一人呵

衆怎麼樣

宋江唱

他放我殘生遊海角

這恩德似天高我和你朝朝宴飲同歡笑他而今遭
配滄州日夜焦我心間惱到做了辜恩負義宵小兒

曾

衆唱

又一體 笑吾兄平生磊落却緣何話語蹊蹠

那英

雄今在何州道請他來聚昏朝

李逵白

大哥有什麼

話何不對老李說

宋

江對你說也是無用

李逵

大哥

言語把吾欺半吞半吐不說知那人今在何方地李

逵星夜走如飛

唱

縱有千軍萬馬吾不惧向虎穴龍

潭走一遭你休煩惱管教他同歸山寨重話蘭膏

衆

白大哥到底為着何事何不對衆兄弟說知

宋

江衆

位兄弟有所不知只因石勇寄書回家探父事發到

官多感朱仝兄弟衙門打點因此改罪發配江州他
今有罪發配滄州昨日雷橫兄弟報知其細所以心
中煩惱晁蓋原來為此那朱都頭向日蒙他私放我
等至今懷恩未報怎得用計賺他上山終好吳用哥
哥放心既然如此待小弟下山請朱仝到寨便了宋
江多謝軍師雷橫大哥想朱仝哥哥元為釋放小弟
將他抵配滄州小弟心懷恩義欲請令同軍師走遭
宋江白多謝賢弟李逵背介白我怎麼得下山走走

才好 吳用白 還得一粗心大胆之人同去才好 李逵

白 忒粗心大胆者就是我老李 吳用白 你去不得 李

逵白 我怎麼去不得 吳用白 你吃酒惹禍去不得 李

逵白 我就把這兩樁都戒了 吳用白 戒了還去不得

李逵白 怎麼又去不得 吳用白 須要扮作伴當才使

的李逵白 什麼東西是伴當 吳用白 使喚的小廝 李

逵白 呔咱們乃是好弟兄怎麼叫我扮你們的小廝

不扮 吳用白 不扮另差別人 李逵白 我就扮我就扮

宋江白

你們此去先到柴大官人庄上說我多多拜

上望乞週全此人上山

吳用白領命吳用雷橫李逵

下衆同唱

尾聲 堂前何得聞爭鬧施謀設計在今朝兄弟相

逢喜氣滔

分下

第二出 地藏寺冤遇堯謀

吳用雷橫李逵上唱

降黃龍 聚義相邀特赴滄州援引同袍 欲如伊奮

身為友擔愁千古寥寥 吳用白 二位我等三人奉晁

宋二公之命招接美髯公朱仝入夥知他與雷兄弟

代罪已經刺配滄州特來乘機援引但他性情固執

一往直前聞得知府高邦彥十分青目他雖無家累

牽絆還只恐受恩深處不肯輕離如何是好 雷橫白

軍師不必過慮。朱都頭雖是執性。小弟素與交好。心
迹頗知。只要緩款。進言強逼不得。李逵白。嗟。憑他執

拗。俺有板斧在此。

雷橫白

沒有見面。你就發火性了。

吳用白

休得多言。待到其間。或有用得你着的去處。

李逵白

軍師總是妙人。那膠柱不通的。須則要俺一

斧劈做兩段。

吳用白

將次到郡。須索小心。大家道友。

相稱。方為穩便。

李逵雷橫白

有理。道友請。

仝唱

披星帶月。

須則

忙探聽伊人消耗。望前途肩摩轂擊。

郡城來到

下朱仝上唱

又一體 吾曹時命還高貴手提携報應結草中元

令節奉差遣疾往僧寮

白

我朱仝刺配到此多蒙太

爺電情超豁免發牢城留在衙內陪伴公子這却那

裏想着蒙如此泰養深恩我益當竭力圖報總表一

點忠敬之心今乃中元節屆太爺捐俸修齋就在地

藏寺啟建道場着我前去料理那地方上成例還要

點放河燈諸般雜耍晚間命我領出小衙內前來觀

看一回不免先往預備唱今朝作孟蘭盆會仗佛力

青弭灾消猛則見雲中幡豎風外鐘飄下雷橫上唱

黃龍袞金蘭訂久要金蘭訂久要汲引同歡樂白

我方終到衙門打聽太爺差遣朱兄到地藏寺擺設

道場去了因今日是中元佳節廣放河燈不免到彼

等候唱且待見面時合從容細把表腸表朱全上接

唱奉佛修齋四恩來報辨虔誠除葷酒申條教檀兄

雷橫介吳用李逵暗上雷橫白你是朱大哥麼朱全

白 雷賢弟為何到此 雷橫拜介 白 多蒙哥哥救了性

命家母與小弟如今都上梁山泊了因放心不下波

及哥哥受累聞得刺配滄州特地前來探聽消息不

料恰好遇見哥哥正是天從人願 朱仝 白 賢弟自前

時放你之後到縣中呈首了鮮上濟州審斷刺配到

這裏蒙本府太爺留養內衙領着公子却也身安心

樂 雷橫 白 哥哥是一等好漢怎麼埋沒在此小弟此

來一則探望哥哥二則晁宋二寨主不忘舊日恩德

欲請哥哥上山同聚大義

朱全白

咳你差了你犯了

該死的罪名我因義氣放了你我還想掙扎還鄉的
日子復為良民怎肯做這等勾當

李逵怒暗介吳用

見介白吳用也在此相請望仁兄即那尊步同赴山

寨以滿晁宋二公之願

朱全白

先生怎生也是這等

說匆匆不敢細叙寒溫二位即便請回

雷橫白哥哥

在此只是居人之下還是同上梁山的好

朱全白

咳

雷兄弟你好沒理我因你母老家貧故此放你你今

反來惹氣我今晚要領小衙內看河燈不得久叙請
了急下雷橫白看他急急而去了李逵白阿訥訥好

惱好惱我們好意請他入夥反道我們不是我站在
旁邊聽把肚子都氣來漲穿了待我趕上去打這廝
吳用白他是重義之人自然不肯胡行的李逵白噯

我們山寨中怎希罕這個鳥人回去罷吳用白不妨
三人同心其利斷金我自有妙計雷橫李逵白有何

妙計
吳用唱